[श्री सुरेश पचौरी]

ने की, इससे उस कार्यक्रम में उपस्थित शबाना आज़मी जी को बहिष्कार करना पड़ा ।

रायसेन जिला जो मध्य प्रदेश में भोपाल के नजदीक है और जो मुख्य मंत्री पटवा और गृह राज्य मंत्री का गृह जिला है, वहां बहुत ही सांप्रदायिक दंगा हुआ । (समय की घंटी) परंतु पुलिस ने समय पर कोई फुर्ती नहीं दिखाई और वहां जो सांप्रदायिक दंगे में पीड़ित जो हमारे मुसलिम भाई या जो दूसरे भाई थे.. (व्यवधान)

उपसभापति : आप जरा संक्षेप में बोलिये ।

श्री सुरेश पचौरी : उनके लिए कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई ।

उपसभापति : जरा संक्षेप में ।

श्री सुरेश पचौरी : पूरे देश में और विशेष रूप से मध्य प्रदेश में अल्प-संख्यक वर्ग अपने आपको असहाय, असुरक्षित और अनाथ महसूस कर रहा है । इसलिए समय रहते ऐसे कारगर कदम उठाये जाने की जरूरत है, महोदया, मे कस्बे में वहां की मस्जिद में जो कुराण शरीफ जला है, उसका फोटोग्राफ लाया हूं । महोदया, मीनारें तोड़ी जा रही है, प्रशासन खुलेआम देख रहा है । प्रशासन खड़ा हुआ है, उसकी भी एक फोटोग्राफ है और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता खड़े हुए हैं । प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है । यह कुराण शरीफ के जलते हुए और मीनार तोड़ते हुए फोटोग्राफ हैं । भारतीय जनता पार्टी के लोग मूक दर्शक बने हुए खड़े हैं । प्रशासन के लोग खड़े हुए हैं ।उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है ।

यह मात्र एक उदाहरण है कि किस तरीके से मध्य प्रदेश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ा जा रहा है, किस तरीके से मध्य प्रदेश में अमन और चैन से जो लोग रह रहे हैं थे.. (व्यवधान) उन्हें साम्प्रदायिकता में झकोरा जा रहा है ।

उपसभापति : जरा संक्षेप में बोलिये । मेरे पास पंद्रह नाम और हैं ।

श्री सुरेश पचौरी : इसलिए मैं विशेष उल्लेख के माध्यम से, आपके माध्यम से सरकार से गुजारिश करूंगा कि मध्य प्रदेश में अल्प-संख्यक वर्ग, चाहे मुसलिम हो, चाहे क्रिश्चियन हो, चाहे सिंधी हो, चाहे सिख हो, अपने आपको असुरक्षित महसूस न करे, अपने आपको असहाय महसूस न करे । अपने आपको अनाथ महसूस न करें, इस तरीके की व्यवस्था की जाए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी... (व्यवधान)

उपसभापति : आपको परमिट नहीं किया। आप बैठिए । बैठ जाइये । बोलिए ।... (व्यवधान) मैंने उन्हें परमिट नहीं किया है । ..(व्यवधान) ..बैठिए । .. (व्यवधान) ... मैंने उनको परमिट नहीं किया है । उपेन्द्र जी कुछ कह रहे हैं, उनकी बात सुनिए ..।

Alleged censoring of Doordarshan's "Khula Manch" Programme—*Contd.*

THE MINISTER OF INFORMATION & BROADCASTING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. UPENDRA): Madam, I understand that a reference was made to the "Khula Manch" programme on Doordarshan when I was not here.

SHRI M. M. JACOB: Shri N. K. P. Salve has raised this issue and it should have been better if Shri Salve is also heard.

SHRI P. UPENDRA : It is not a discussion. I am giving a clarification. It is neither a discussion nor a statement....*Interruptions*)..

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not a discussion. He is only replying. Let him say what he wants. The point was raised. He is saying something. Please convey it to Shri Salve.

SHRI P. UPENDRA: Madam, I want to state categorically,

that there is no censoring of the programme, but some editing is being done as was done in the first programme also. When this programme was decided upon, certain parameters and guidelines were prescribed. The purpose of this programme is to enable some selected members of the public to discuss matters relating to a particular Ministry with the Minister concerned and the Minister will clarify the points raised by the members of the audience. At certain times, members transgressed those parameters and put some questions on matters not relating to that Ministry, but we did not want to interrupt the programme or the recording at that point of time and those portions not related to that Ministry were edited and in this programme...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is his version which he is giving.

SHRI P. UPENDRA: ...not a single word relating to the Railways has been removed.

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): Mr. George Fernandes was the Minister in charge of the Jammu & Kashmir affairs. ...*(Interruptions)*...

SHRI P. UPENDRA: Let me complete. Everything has been kept and in fact, there were many provocative statements and provocative interjections etc. etc. Madam, I have been receiving till last night and this morning a number of telephone calls why the questioners were so provocative and insulting to the Minister. I am not going into that because the Minister was prepared for that, but I want to make it very clear that this programme is specifically meant for a particular Ministry and nothing else will go into the rences other than those relating to the Ministry concerned will be edited. That will continue to be the approach. Defamatory statements or statements which will hurt the sentiments of a particular community or a caste, or any anti-national statements will also be removed even if they relate to a particular Ministry.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश): महोदया.. (व्यवधान)

उपसभापति : श्री शिव प्रताप मिश्र। ...(व्यवधान)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, बी.जे.पी. के महामंत्री अशोक सिंघल के भाई बी.पी. सिंघल को मंत्री महोदय ने... (व्यवधान)

उपसभापति : नहीं-नहीं। शिव प्रताप जी बोलिए। ...(व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सेंसर बोर्ड का सदस्य बनाया है या नहीं...(व्यवधान) और वी.पी. सिंह ने...(व्यवधान)

उपसभापति : देखिए, यह मामला खत्म हो गया। ...(व्यवधान) वह मामला खत्म हो गया, शिव प्रताप मिश्र जी बोलिए। ...(व्यवधान)

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदया, मुझे बोलने दिया जाए ...(व्यवधान)

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Madam, I would like to have some information from the Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no discussion on the "Khula Manch" programme. Mr. Desai, I can't allow the discussion. If you are not satisfied, you write a letter to him.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : हमारे सदस्य

[डा० रत्नाकर पाण्डेय]

... (व्यवधान) वी० पी० सिंघल को सेंसर बोर्ड का सदस्य बनाया कि नहीं, मंत्री महोदय इसका स्पष्टीकरण दें। उन्होंने वी. पी. सिंह ... (व्यवधान) ... उसको मेम्बर बनाया है। उनकी क्या क्वालिटी है, यह सदन जानना चाहता है?

श्री कैलाश नारायण सारंग: उपसभापति महोदया, मुझे बोलने दिया जाए। ... (व्यवधान) जो कुछ कहा गया है वह असत्य कहा गया है। मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश में जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है ... (व्यवधान)

श्री कैलाश नारायण सारंग: हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द है कहीं कोई अत्याचार नहीं हो रहा है ... (व्यवधान) ... यह सब असत्य है, राजनीति से प्रेरित है ... (व्यवधान) ... मनगढन्त और बनाया गया है ... (व्यवधान) ... रायसेन में दंगा कांग्रेस के लोगों ने कराया ... (व्यवधान) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House stands adjourned for lunch till 2·30 P. M. All the other special mentions will be taken up after the Short-Duration Discussion.

The House then adjourned for lunch at thirtyone minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-three minutes past two of the clock, **The Deputy Chairman** in the Chair.

THE GOVERNORS (EMOLUMENTS, ALLOWANCES AND PRIVILEGES) AMENDMENT BILL, 1990—Contd.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We were half way through the Governors (Emoluments, Allowances and Privileges) Amendment Bill, we shall take it up now. After we finish some legislative business, I will allow Special Mentions because, at 4 o'clock, we have a Short-Duration Discussion and we will take up the Special Mentions a little later.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN) (Tamil Nadu): What about the National Commission for Women Bill?

THE DEPUTY CHAIRMAN: As soon as we finish this. But let us see how we proceed. If everybody co-operates, we will discuss everything. Now, the Leader of the House has said that he would be piloting this Bill now.

The question is:

> That Clause 1, the Enacting Formula and the Title stand part of the Bill.

The motion was adopted.

Clause 1, *the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.*

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI M. S. GURUPADASWAMY : Madam, I beg to move:

> That the Bill be passed.

The question was proposed.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam, I want to speak on this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh) : Madam, I have also given my name.

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, I thank you for giving me this opportunity to speak on this Bill. Madam, I support this Bill.

Madam, the attitude of the Go-